चिट्ठियाँ कहती हैं . . .

H
891.43600
T543 C

महात्मा गांधी 125 वाँ जन्मवर्ष समारोह समिति, म. प्र. का प्रकाशन

गांधी समिति में आना और भोपाल की विभिन्न संस्थाओं व व्यक्तियों से संपर्क होना मेरे लिए बहुत अच्छा रहा। समिति का कार्य बहुत महत्व का है और अगर इस दौरान में संविधान बनने में जो बड़ी भूलें हुईं या गलत रास्ते पकड़े गये उन पर प्रश्न उठें, और उन्हें दुरुस्त करने के प्रयास हों तो देश का बड़ा काम होगा।

धर्मपाल,

आश्रम प्रतिष्ठान, सेवाग्राम- 442102

जि. वर्धा

चिट्ठियाँ कहती हैं. . .

(पत्रों में अभिव्यक्त प्रतिक्रियाएँ)

अध्यक्ष

मोहम्मद शफी कुरेशी

महामहिम राज्यपाल, म. प्र.

उपाध्यक्ष

दिग्विजय सिंह

माननीय मुख्यमंत्री, म. प्र.

राज्य समन्वयक

कनक तिवारी

अध्यक्ष म. प्र. गृह निर्माण मण्डल

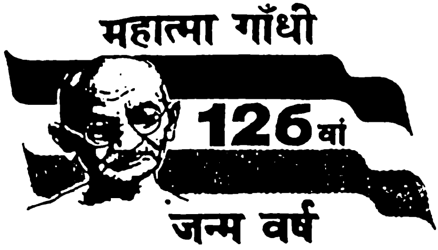

महात्मा गांधी 125वाँ जन्मवर्ष समारोह समिति म. प्र. का प्रकाशन
संस्कृति भवन, बाणगंगा, भोपाल-462003 (म. प्र.)
फोन : 574458, 557040 फैक्स : 0755-575733

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 125 वें जन्म दिवस समारोह के तारतम्य में आजाद हिंद के स्वप्न दृष्टा वीर सेनानी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का 100 वाँ जन्म दिवस समारोह आयोजित कर आपने आजाद हिन्द फौज के जाँबाज सेनानियों का सम्मान कर अपनी शुभ-भावनाएँ समर्पित की। इन वीरों का सम्मान ही देश का सच्चा सम्मान है, प्रजातंत्र का सच्चा सम्मान है।

आपके इस भावनाप्रधान कार्यक्रम की मैं हृदय से प्रशंसा करता हूँ और आपको हार्दिक बधाई देता हूँ।

शुभेच्छु
मुकुन्ददास माहेश्वरी

आपकी हर क्षेत्र में अप्रतिम सफलता तथा निर्माण कार्य व गांधी शताब्दी वर्ष एवं युग निर्माण की त्रिवेणी में जन अवगाहन के शुभ कार्य हेतु आप धन्यवाद के सुपात्र हैं। प्रभु आपको स्वस्थ रखें व चिरायु करें।

891.43600

शुभमस्तु।

Indian Institute of Advanced Study
ACC NO. G-4864
DATE 18/04/03
SHIMLA

एस.पी. भारद्धाज
स्वतंत्रता सेनानी
जनसेवी व पत्रकार
99/84, तुलसी नगर,
भोपाल

गांधी जी की 125 वीं जयन्ती के कार्यक्रमों के समन्वयक के रूप में आजकल आप जो सराहनीय कार्य कर रहे हैं, उसके लिए हम आपको हार्दिक बधाई प्रेषित करते हैं, और हमारी शुभकामना है कि आपको अधिकाधिक सफलता प्राप्त हो।

शुभेच्छु

Library IIAS, Shimla
H 891.43600 T543 C
G4864

आर.आर. अग्रवाल
एच- 26/ई- 8, शाहपुरा
भोपाल

मैं बहुत रुचि और सौहार्दपूर्वक आपके द्वारा आयोजित राष्ट्रपिता के 125 वें जन्म वर्ष के कार्यक्रमों के समाचार पत्रों में पढ़ता रहा हूँ। सचमुच में आपने जितने भी कार्यक्रमों का आयोजन किये हैं वे सभी कार्यक्रम गरिमामय रहे हैं। गांधी विचार को नये परिप्रेक्ष्य में समझने और जानने की जिज्ञासा आपने पैदा की है। आपका प्रयास सराहनीय और स्तुत्य है। मैं तहे दिल से आपको बधाई देना चाहता हूं।

आशा है आपका प्रयास इसी तरह आगे भी जारी रहेगा।

इन्द्रलाल मिश्र
मंत्री, मध्यप्रदेश सर्वोदय संघ
श्यामला हिल्स
भोपाल- 462002

आपने "सर्व धर्म सम्मेलन" का आयोजन किया और इसमें वक्ताओं की "मेरे धर्म में समभाव और गांधी दृष्टि" के विषय पर तीन दिन की सभाओं का आयोजन किया। इस वक्त हमारे पूरे देश को इसी की जरूरत थी। आपने तथा आपके सहयोगियों ने यह बहुत अच्छा फैसला किया है।

अब्दुल करीम पारिख,
अध्यक्ष,
मजलिस ई तेलीमुल कुरान नागपुर

महात्मा गांधी के 125 वाँ जन्मदिवस समारोह जिस निष्ठा एवं समर्पित भाव से आपकी समिति विविध कार्यक्रमों के माध्यम से पूज्य बापू के आदर्शों एवं सिद्धांतों की प्रासंगिकता को उजागर करने के लिए प्रयत्नशील है, वह निश्चय ही अभिनंदनीय एवं प्रशंसनीय है।

डॉ. बालशौरि रेड्डी,
आन्ध्रप्रदेश हिन्दी अकादमी,
27 वडिरेलुपुरम, वेस्ट मांबलम,
मद्रास- 600033

आपके आयोजन/संयोजन में होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में मेरी सहमति मान कर चला करें, मैं पांच अक्टूबर, 1995 को भोपाल (या जहां भी कार्यक्रम का आयोजन निश्चित होगा) पहुंच जाऊंगा।

रमेश नैयर,
सम्पादक-दैनिक भास्कर
समता कालोनी,
रायपुर, 402001

गांधी जयंती के संदर्भ में सांप्रदायिक हिंसा और बापू की पत्रकारिता पर बातचीत करने का आयोजन शुभ प्रयास है। आयोजन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं स्वीकारें।

विश्वनाथ सचदेव
सम्पादक - धर्मयुग,
डॉ. डी.एन. रोड बंबई,
टेलीफोन : 2620271,
ग्राम : इंडियाना

वर्तमान पीढ़ी को, और आगे आने वाली पीढ़ियों को गांधीजी के आदर्शों सिद्धांतों और कार्यों से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में आप जो प्रयास कर रहे हैं, मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूँ और सफलता की कामना करता हूँ।

परसराम भारद्वाज
सांसद, अध्यक्ष,
मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी (ई)

आप एक क्रांतिकारी सांस्कृतिक आंदोलन की प्राण प्रतिष्ठा करने की फिर से कोशिश में लगे हैं। यह सराहनीय कार्य है। आज ऐसे वैचारिक आंदोलन की फिर से आवश्यकता है। हम सब आपके साथ हैं, हर कदम पर यह विश्वास दिलाती हूँ।

मेहरुनिसा परवेज,
डी 3/17, चार इमली,
भोपाल

आपका पत्र क्रमांक 659 दिनांक 15-9-95 प्राप्त हुआ। जिसमें 1 अक्टूबर, 95 से 5 अक्टूबर, 95 तक गांधी जी आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता परिसंवाद आयोजित किया है और उसमें मुझे आमंत्रित किया है। आपके द्वारा आयोजित हर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए सदैव तत्पर रहती हूँ।

चम्पा बहन,
संस्थापक,
ग्राम पथरिया,
पो. गंभीरिया, जि-सागर,
मध्यप्रदेश

आपके पुरुषार्थ एवं परिश्रम से इंदौर का कार्य सम्पन्न हुआ। मुझे अत्यंत आनंद इस बात का है कि गांधी की मशाल नौजवान पीढ़ी ने बहुत विश्वास से संभाली है।

रामचंद्र नवाल,
स्वतंत्रता सेनानी एवं
"श्रीनाथ सदन"
170, जवाहर मार्ग, (जैन कॉलोनी)
नागदा जंक्शन (म.प्र.) 456335

दूरदर्शन पर महात्मा गांधी 125 वें जन्म-वर्ष समारोह-विषयक कार्यक्रमों की झलक में आपकी योजना के क्रियान्वयन को देख आह्लादित अनुभव करता हूँ। अस्तु।

डॉ. गजानन शर्मा
पूर्व हिन्दी प्रोफेसर एवं
प्राचार्य,
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बिलासपुर (म.प्र.)

आज टी.वी. पर आपका साक्षात्कार सुनकर मन उमंग एवं उत्साह से भर आया। 1969 में गांधी जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर आपको महासभा में आमंत्रित करने के पहले गये मैंने कल्पना की थी उससे सौ प्रतिशत आप खरे उतरे। आप अपना संघर्ष इसी तरह जारी रखें तो मुझे वैसी ही खुशी होगी जैसे मैं खुद यह काम कर रहा हूँ।

जीवनलाल साव,
द्वारा राधेश्याम अग्रवाल,
सरपंच
ग्राम पो. झुरकोनी, चगरवहरा,
जिला-रायपुर

भोपाल में आपसे काफी वर्षों के बाद मिलना हुआ किन्तु लगा, आप चिर परिचित हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि आपने अपने जीवन को सृजन की नई दिशाओं के साथ जोड़कर सार्थक उद्देश्यों के नये आयाम स्थापित किए हैं, सदैव आप अपने उद्देश्यों में सफल हों।

भोपाल में आपने जिस सफलता के साथ पूज्य बापू जी के 125 वें जन्म वर्ष का आयोजन किया, उसके लिए मेरा साधुवाद स्वीकारें।

डॉ. जी.सी. सिंघई,
प्राचार्य,
कार्यालय प्राचार्य, शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय,
सागर (म.प्र.)

महात्मा गांधी 125 वां जन्म वर्ष समारोह समिति जिसका संपूर्ण एवं एक मात्र दायित्व इसके समन्वयक श्री कनक तिवारी की बौध्दिक गतिशीलता पर निर्भर करता है जो इस समिति के माध्यम से महात्मा गांधी के नाम की अलख पूरे प्रदेश में फैलाने कटिबद्ध हैं। अब करना मात्र यह चाहिए कि गांधी जी के साथ कांग्रेस के स्वरूप का तालमेल बिठाते हुए मध्यप्रदेश के कांग्रेस के कार्यकलापों का विस्तृत प्रचार-प्रसार संपन्न करवाया जावे।

शिवकुमार पाली
महामंत्री,
शहर ब्लाक कांग्रेस कमेटी (ई) दुर्ग

परम प्रसन्नता है कि आपके कुशल एवम् सुधी नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन की महात्मा गांधी 125 वर्ष जयंती वर्ष समारोह समिति अत्यंत सक्रियतापूर्वक कार्य कर रही है और इस समिति ने अपनी राष्ट्रीय उज्जवल छवि निर्मित कर ली है। इस समिति की बहुआयामी गतिविधियों की सफलता एवं सार्थकता के निर्मित आप साधुवाद एवम् अभिनंदन के पात्र हैं। मैं अखबारों में तदविषयक समाचार पढ़ता रहता हूँ।

डॉ. लक्ष्मीनारायण दुबे
सागर 470003 (म.प्र.)

आपकी कल्पनाशीलता और मनयोग से इंदौर में रचे गए समारोह का कलेवर अब तक बना हुआ है। ऐसा आयोजन आप ही करवा सकते थे। राष्ट्र भाषा को लेकर इतना सुलझा और अपनी बात को सम्प्रेषित करने वाला कार्यक्रम इंदौर में कई वर्षों से नहीं हुआ था।

सरोजकुमार
मनोरम, 37 पत्रकार कॉलोनी,
इंदौर - 452001

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के 125 वें जन्म वर्ष के अवसर पर समिति द्वारा आयोजित विविध कार्यक्रम अपने प्रभाव, सफलता और रचनात्मकता की दृष्टि से अनूठे जान पड़ते हैं.

श्रीराम तिवारी,
उप सचिव,
मध्यप्रदेश कला परिषद्,
भोपाल

प्रातः स्मरणीय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 125 वें जन्म वर्ष पर आपके द्वारा आयोजित कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली हैं। बिलासपुर एवं भिलाई में आयोजित कार्यक्रम इसके प्रमाण हैं। बिलासपुर में आयोजित **बापू के राम की शबरी** ने मुझे अत्यंत प्रभावित किया है।

ब्रजेश श्रीवास्तव
मु. पो. - रतनपुर
जिला - बिलासपुर
पिन - 495442 (म.प्र.)

मध्यप्रदेश शासन द्वारा आपके सुसंचालन में इंदौर में आयोजित राष्ट्रभाषा पर केन्द्रित परिसंवाद निश्चित ही एक सफल आयोजन था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 125 वें जन्म वर्ष को राष्ट्रभाषा से जोड़कर शासन ने एक अति सराहनीय कार्य किया है। विशेष प्रसन्नता की बात है कि यह समारोह आगामी तीन वर्ष तक आप मनाने जा रहे हैं। इस प्रकार का आयोजन शेष राज्यों के लिए अवश्य ही योग्य मार्गदर्शन देगा।

द्वारका प्रसाद वेद
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा,
हिन्दी नगर, वर्धा- 442003

"गांधी का राम" "विधि में हिन्दी" विषय चुनने तक उस पर सार्थक बहस आयोजित करवाने हेतु हमसे युवा उत्साहित हैं कि चलो राजनैतिक क्षेत्र में बुद्धि का संवाहक सक्रिय है।

कैलाश परमार,
अभिभापक,
बुधवारा, आष्टा, जि. सीहोर, म.प्र.

I will be failing in my duty if I do not thank you profusely for your hospitality and regards shown to me during my stay at Bhopal in connection with the 125th Birth Centenary Celebrations of Mahatama Gandhiji. The team of the workers attached with you was of course fully dedicated, full of co-operation and affection for the guests. I very well understand that only bcause of your stewardship and deep interest in the affaires of the culture, my stay as well as my coming back to patiala was most comfortable.

Dr. JODH SINGH
Professor & Head
Dean Faculty of Hunanities &
Religious studies, PATIALA.

"Learning is Divine,
Work is worship".

The 125th Birth Anniversary Celebration of Gandhi has been a "mile-stone" in the histrory of Madhya Pradesh. It will be a torch-bearer in future for the coming generation. No other State in the country has celebrated the celebration on this scale. Chairman, Vice-Chairman and the organiser deserve my hearty congratulations. May tribe increase.

Haji Shamsuddin
Ex-Chairman,
State Minoritti Commission,
7/150, Baijnath para,
RAIPUR-492001 (M.P.)

Whaterver is worth thinking before Indian Society, polity and economy is enclosed germinally in the questions implicity or explicitly raised in Hind Swaraj by Mahatma Gandhi. By initiating a discussion on it which attempts to go deeply into all the implications, Shri Kanak Tiwari has placed our Society before the most significant, if also most uncomfortable, enquiries. He desserves our congratulations and suppourt in this effort.

Wagish Shukla,
4, Street M/1;11t Compus,
Hauz Khas, New Delhi-110016.

The in-depth discussion of Hind Swaraj by so many scholars, who are interested in understading Gandhiji has been a most stimulating experience. I congratulate Shri Kanak Tiwari on making this celebration.

B.R. NANDA

I consider it a privillage to have how the good fortune of participating in the National Seminar on Gandhiji. The two main themes chosen for discussion - Gandhian Economic thought and Hind Swaraj - are both timely and stimulating. I particularly compliment Shri Kanak Tiwari for his enthusiasm in organising such a meeting.

G.S.R. Krishnan,
professor of Sociology,
Bangalore University,
Bangalore-560056

The 125th Birth Anniversary Celebration of Gandhi give us yet another opportunity to place before the people the relevance of Gandhi in resolving the problems that comfort them. "Gandhi is my weapon", said Martin Luther King. The 125th Anniversary of Gandhi is another Occasion to incllate Gandhian values in society.

Dr. G. Vijayan,
Atheist Centere,
Benz Circle,
VIJAYAWADA - 520006.

सर्वप्रथम सागर के हमारे मित्र परिवार की ओर से नये वर्ष पर हार्दिकतम शुभकामनाएँ स्वीकारें। आपके कुशल नेतृत्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर साल भर ऐतिहासिक परिचर्चा, परिसंवाद एवं रचनात्मक आयोजन हेतु भी हार्दिक बधाई स्वीकार कीजिएगा। यदि संभव हो तो वर्ष भर संपन्न हुए कार्यक्रम के संदर्भ में प्रकाशित विद्धतजनों के महत्वपूर्ण भाषण एवं अन्य विचार सामग्री प्रेषित कर अनुग्रहीत कीजिएगा। सामग्री का प्रयोग सागर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के लिए भी किया जायेगा।

राकेश शर्मा
सागर

हमारे पूज्य पिता श्री नटवरलाल जी स्नेही के दुःखद निधन पर आपके द्वारा इस परिवार के प्रति जो संवेदना प्रकट की गयी है उससे हमें बहुत ही सांत्वना मिली है

आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने में हमारे शब्द असमर्थ हैं। इस परिवार पर आपका वरदहस्त सदैव बना रहे यही आकांक्षा है।

ऋषिकुमार शर्मा
अखिल 'स्नेही'

गत दिनांक 23-1-95 को जबलपुर में आयोजित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सुभाष जयन्ती पर आयोजित सम्मान समारोह के अवसर पर आपसे भेंट हुई थी आपकी सरलता, सौभ्यता व शालीनता से मेरे मन में आप जैसे नेता के लिये विश्वास जागृत हुआ है। संकट के समय देश पर समर्पित कुर्बानी देने वाली पीढ़ी का सम्मान प्रदेश स्तर पर जो किया गया है वह काफी सराहनीय रहा है इससे देश में युवा मुख्य मंत्री की सूझ बूझ व संगठन शक्ति दर्शित हुई है यह सव आप जैसे कर्मठ, ईमानदार साथियों के कारण है।

कार्यक्रम का संचालन आपने बड़ी ही अच्छी तरह किया। आपके संचालन में जो शब्दों का प्रयोग किया जा रहा था वह ऐसा लग रहा था कि जैसे साक्षात मां सरस्वती आपकी वाणी में विराजमान होकर आई हैं। इसके लिये आपको बधाई।

हरीश घारिया

महात्मा गांधी 125 वां जन्म शताब्दी समारोह समिति गांधीवादी विचारों को सामाजिक मूल्य बनाने के लिये जो कुछ स्वागत योग्य कर रही है वह न केवल भारत बल्कि विश्वभर के लिए हर स्तर पर आवश्यक है। यह कहना जरूरी है कि 21 वीं सदी के संभावित विनाशकारी भविष्य और हारी हुई सदी की थकान को गांधी ही प्राण दे सकते हैं क्योंकि उनके पास मनुष्यता के भले के लिए सब कुछ है।

अलखनंदन,
एफ- 1/3, प्रोफेसर्स कालोनी, भोपाल

गांधी समिति में आना और भोपाल की विभिन्न संस्थाओं व व्यक्तियों से संपर्क होना मेरे लिए बहुत अच्छा रहा। समिति का कार्य बहुत महत्व का है और अगर इस दौरान में संविधान बनने में जो बड़ी भूलें हुईं या गलत रास्ते पकड़े गये उन पर प्रश्न उठें, और उन्हें दुरुस्त करने के प्रयास हों तो देश का बड़ा काम होगा।

धर्मपाल,
आश्रम प्रतिष्ठान, सेवाग्राम- 442102
जि. वर्धा

गांधी समिति की 125 वीं शती के वार्षिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने पर बापू और उनके बहुमूल्य योगदान के सर्वप्रथा मौलिक स्वरूप का परिचय पाकर धन्य हुआ। आज गांधी जी के जीवन की क्या सार्थकता हो सकती हैं और राष्ट्र की बदली हुई परिस्थितियों में परिवर्तित परिवेश के साथ विभिन्न आयामों में किस रूप में ढाला जा सकता हैं इसकी प्रतीती इस समिति के आयोजनों में भाग लेने पर ही हो सकी। श्री कनक तिवारी जी ने जिस अंतदृष्टि और समर्पित भाव से इसका संयोजन किया हैं उसे सार्थक ही नहीं युगान्तकारी भी कहा जा सकता हैं। मैं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अभूतपूर्व रूप में इसके संयोजन संयोजन के हेतु हार्दिक बधाइयां और साधुवाद देता हूँ।

श्री शिवमंगलसिंह सुमन,
जिला- उज्जैन (म.प्र.)

परम पूज्य गुरुदेव की सत्ता आपको सतत प्रगति के पथ पर बढ़ाए। गांधी स्मृति में चल रहा यह उपक्रम निरन्तर आगे बढ़ता हुआ बापू के कार्यों को आगे बढ़ाए एवं आप सभी का भविष्य उज्जवल हों, यही मंगलकामना।

प्रणव पंड्या,
शांति कुन्ज, हरिद्वार

महात्मा गांधी, यों तो हमारे वर्तमान राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में आनुष्ठानिक औपचारिकता मात्र शेष रह गये हैं। ऐसे में यदि कोई सहसा लगभग क्रांतिकारी और तेजस्वी सोच के साथ गांधी जी पर कोई नया रास्ता बनाता चले जिस पर दमखम के साथ चलने पर गांधी जी शायद एक बार फिर उसी तेजस्विता के साथ जीवन्त हो उठें, तो गांधी जी की सही सही पुनःव्र्याख्या संभव हैं। पूरे एक वर्ष तक गांधी समिति के राज्य समन्वयक श्री कनक तिवारी ने जो विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये हैं, सही अर्थों में उसी सोच को प्रखरता के साथ प्रतिविम्बित करते हैं। साधुवाद।

डॉ. प्रभातकुमार भट्टाचार्य,
निदेशक,
कालिदास अकादेमी, उज्जैन

यदि सोच सही है और समझ साफ तो मार्ग में विनम्र की कतई आशंका नहीं और यह सुयोग जहां उपलब्ध हो, वहां सार्थक, सोद्देश्य कर्म विधान का सहज ही विश्वास साकार हो उठता हैं। म.प्र. में महात्मा गांधी 125 वां जन्म वर्ष समारोह समिति के राज्य समन्वयक श्री कनक तिवारी ने एक वर्ष के गांधी अभियान में यह कर दिखाया है। काश हर राज्य को ऐसा एक कनक तिवारी मिला होता।

विजयदत्त श्रीधर,
कार्यकारी संपादक,
नवभारत, भोपाल

महात्मा गांधी एक सौ पच्चीस वर्ष समारोह समिति, मध्यप्रदेश के तत्वाधान में, बेहद कल्पनाशीलता और नवाचारी दृष्टि के साथ गांधी जी के व्यक्तित्व और जीवन-दर्शन के आधारभूत विचारों और मूल्यों पर केन्द्रित स्थायी महत्व का कार्य संपादित हो रहे हैं। शायद देश में सबसे अनूठे और सार्थक। इसमें गांधी जी द्वारा परिकल्पित अर्थशास्त्र, पंचायती व्यवस्था का समाजशास्त्र, बुनियादी शिक्षा और सामाजिक समरसत्ता पर गांधी जी की दृष्टि पर आज के संदर्भ में, समिति पुनर्विचार का जो उपक्रम कर रही है, वह सर्वाधिक सारहीन है।

डॉ. कपिल तिवारी,
सचिव,
मध्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद,
तथा
सचिव,
मध्यप्रदेश तुलसी अकादेमी
भोपाल

आज के परिवेश में जिस बात की सबसे अधिक आवश्यकता है उस मनोदृष्टिगत परिवर्तन की दिशा में इस समिति के संयोजक का योगदान चिरस्थायी रहेगा। गांधी जी के विचारों की क्रियाशीलता पर चर्चा आज के युवा वर्ग व चिंतकों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत होगी।

प्रो. आर.एस. तिवारी,
प्रशासन अकादेमी, भोपाल

गांधी जी की 125 वीं जयंती के समारोह द्वारा लोगों को फिर से बिसराय विचारों पर खींचना समिति की बड़ी उपलब्धि हैं।

वीनू काले
नागपुर

मध्यप्रदेश, गांधी जन्म वर्ष (125 वां) समारोह समिति ने वस्तुतः संपूर्ण समर्पण भाव से अपने कार्यक्रमों को चलाया हैं। जिस प्रकार से "हृदय" से रक्त का संचारण सम्पूर्ण शरीर में मध्यप्रदेश का गांधी दर्शन का संप्रेषण इस राष्ट्र को संपुष्ट करेगा। समिति एवं उसके समन्वयक बधाई के पात्र हैं। सर्वाधिक खुशी इस बात में हैं कि गांधी जी के मूल मूल्यों को ग्रहण करके कार्य किया जा रहा हैं। भारतीय संघ के अन्य राज्य इसका अनुकरण करके लाभान्वित हो सकते हैं। वस्तुतः आचार्य विनोबा भावे जी ने बतलाया है कि जनता की शक्ति, विद्वत शक्ति धन की शक्ति सज्जन की शक्ति और शासन की शक्ति के जुट जाने से कार्य साफल्य व सार्थकता को प्राप्त होते हैं। श्री कनक तिवारी जी (समन्वयक) ने यह स्थिति यहां पर प्राप्त कर ली हैं। एतदर्थ गांधी मार्ग मध्यप्रदेश से निर्गत हो कर निरंतर प्रशंसा व प्रगति की तरफ चलता रहेगा।

प्रो. रामचंद्र सिंह
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी,
सदस्य 125 वां जन्म वर्ष समारोह समिति,
उत्तरप्रदेश

आधुनिक युग के तथाकथित विकास सभ्यता की ओर प्रगति कहे जाने वाले विचार और उपभोक्ता संस्कृति की कल्पनाओं की चुनौती देने वाले सबसे खतरनाक नौजवान की 125 वीं जन्म वर्ष की याद में आयोजित समारोहों की श्रृंखला सिर्फ मध्यप्रदेश में चल रही हैं। महामहिम राज्यपाल, आदि संवेदनशील मुख्यमंत्री, योग्य व शील श्री कनक तिवारी व अन्य सहयोगियों की जैसी टीम बनती जा रही हैं उसने मुझे अपने आखरी बरसों में आशा, नए अरमानों और बहुत कुछ जवानी से भर दिया हैं। 42 बरस से पहले से मेरी तीन बातें जिन्हें दुहराकर मैं बदनाम होता रहा और बुद्धिवादियों के द्वारा दुरियाता रहा वे उभर रही हैं। एक यह कि मार्क्स आज जिंदा होता तो वह गांधी मार्ग अपनाने की सलाह देता। क्योंकि सामाजिक न्याय के लिए और समतावादी समाज रचना के बारे में उसे अपने और गांधी के विचार समान लगते। दूसरी यह कि पूंजीवादी स्वयं जिस तरह विग्रहवादी हिंसा फैला रहा है। उससे मार्क्स को ग्लानि हो गई होती। तीसरी यह कि गांधी का सादा जीवन का आदर्श आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति पर रोक लगाने के लिए पसंद आता। मार्क्स गांधी को ही सबसे आधुनिक और सबसे सभ्य सुसंस्कृत व्यक्ति मान लेता वह गांधी की निरहकारी अत्यंत विनम्र परंतु दृढ़ संकल्प के साथ सत्य के लिए निरंतर संघर्षशीलता की तैयारी देखकर तो चकित रह जाता और आर्शीवाद देता।

मार्क्स गांधी का समन्वय हो।

मेरा हाल तो यह है:-
दमें आखिर है ये किसका ख्याल जलवा फरोस
ये मेरी मौत की हद में हयात सी क्या है।

प्रो. महेशदत्त मिश्र,
स्वतंत्रता सेनानी,
अध्यक्ष,
गांधी सृजनपीठ, रानी दुर्गावती,
विश्व विद्यालय, जबलपुर म.प्र.

महत्मा गांधी के सवासौवें जन्मदिवस पर आयोजित यह संगोष्ठी अपनी परंपरा और स्वधर्म की वास्तविक पहचान का एक सार्थक प्रयास है। आधुनिकतावादी औद्योगिक सभ्यता ने हमें हमारे स्व के कितना विलग कर दिया है, इसे अलग से सिद्ध करने की कोई आवश्यकता नहीं हैं। हम अपने "स्व" को और स्वधर्म को पुनः पा सकें, पुनः स्वस्थ हो सकें, यही इस आयोजन का उद्देश्य हैं। उम्मीद है कि इस दिशा में हम कुछ न कुछ आगे बढ़ सकेंगे।

नंदकिशोर आचार्य,
सुथारों की बड़ी गुवाड़
बीकानेर- 334005 (हिन्दी लेखक)
अध्यक्ष, इतिहास विभाग,
रामपुरिया कालेज, बीकानेर (राज.)

महात्मा गांधी के 125 वें जन्म वर्ष पर देश में हो रहे विविध आयोजनों में सर्वाधिक प्राणवान, सार्थक, साहसपूर्ण और सद्बुद्धि, सदवृत्ति, तथा सच्चे मन से सम्पन्न आयोजन मध्यप्रदेश में ही हो रहे हैं। राष्ट्रभक्त, सत्यनिष्ठ, आदर्शनिष्ठ राजनेता एवं लोकसेवक श्री कनक तिवारी जी के गतिमय, प्राणवान, प्रखर बौद्धिक व्यक्तित्व के लिए यह अकल्पनीय था। यह देश हमारा है और इसकी अब तक की कमियां, भटकाव, विचलन भी हमारे हैं तथा उपलब्धियाँ, महात्वकांक्षाए और उत्साह भी हमारे हैं। अतः भविष्य का सुपल, सन्मार्ग भी हमें रचना है इसकी ईश्वर हमें शक्ति दें तथा प्रेरणा दें।

रामेश्वर मिश्र "पंकज"
सी 2/181, युमना विहार,
दिल्ली - 110057

लंबे अर्से बाद गांधी जी के आदर्शों पर तथा आज उनकी हमारे लिए कितनी प्रासंगिता है- इस विषय पर भारत के और मनीषियों से विचार विमर्श करने का सुअवसर मिला है मैं कुछ लाभान्वित हुआ हूँ आभारी हूँ।

निर्मल वर्मा
नयी दिल्ली

महात्मा गांधी के सवा सौवें जन्मदिवस समारोह का आयोजन कर मध्यप्रदेश शासन और उसके राज्य समन्वयक के रूप में आपने जो कार्यारम्भ किया है, वह मुझे भगीरथ प्रयत्न की याद दिलाता हैं। सुप्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक धर्मपाल जी यह कहा करते हैं कि इस देश के गुलामी के चलते अपना स्वाभाविक चित्त खो दिया है। इस चित्त को उसके स्वभाव में लौटा सकना अब इतना आसान नहीं रह गया हैं। कई आधुनिकतावादियों के लिए इस तरह का प्रयास हास्यास्पद भी लग सकता है। किन्तु जो इस देश की आत्मा से परिचित हैं वे जानते हैं कि गांधी इस कलयुग के एकमात्र प्रतिनिधि महानायक हैं। कथित नायकों ने अपने अपने आभा मंडल के दाँव पेंच से गांधी को ढक सा दिया हैं, जैसे बादलों से कभी कभी सूरज ढक जाता है। किन्तु सूरज तो सूरज है।

गांधी ही इस गरीब और सहिष्णु भारतीय समाज के इतिहास पुरुष हैं। ऐसे महामानव को आम आदमी की चिंता के केन्द्र में पुनः स्थापित एवं पुनः संस्कारित कर आपकी समिति ने राष्ट्रीय जीवन के हितों की जैसी सुरक्षा की है, उसके प्रति न केवल प्रदेश देश की जनता आपकी समिति के अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं अन्य साथियों के प्रति कृतज्ञता का अनुभव करती रहेगी।

विजय बहादुरसिंह
प्राध्यापक,
हिन्दी विभाग, उच्चशिक्षा उत्कृष्टता मूलक संस्थान,
बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर, भोपाल (म.प्र.)

महात्मा गांधी के 125 वें जन्मदिवस आयोजित यह कार्यक्रम गांधीजी के विचारों और उनके कर्म के प्रति भारत के लोगों में चेतना जागृत करेगा, ऐसी मेरी मंगल-कामना है।

पुष्पराज,
आचार्य,
संस्कृत विभाग,
दिल्ली

गांधी जी इस देश की स्वतंत्रता के बाद यहां से विदा कर दिये गये हैं- विचारों में, कर्म में, आदर्शों में, प्रगति की दिशा में केवल रह गये थे खोखले भाषणों में/उनकी वापसी की कोशिश की सार्थक शुरुआत हैं। बहुत कुछ करना है। जो यहां हुआ, उससे आशा जगती है कि गांधी जी की पुनः प्रतिष्ठा कायम की जा सकती हैं।

समारोहों और वक्तव्यों से चर्चा तथा ठोस कर्म, कार्य योजना के लिए जमीन तैयार हो रही है। अब उस और शीघ्र बढ़ना चाहिए।

शरदचंद्र बेहार,
मुख्य सचिव, म. प्र.
सी- 21, शिवाजी नगर, भोपाल

गांधी जी विषयक यह विचार विमर्श-प्रसंग बहुत सराहनीय प्रयत्न है और श्री कनक तिवारी के वक्तव्यों से यह निश्चित लगता है कि म.प्र. सरकार गांधी विचार के कार्यान्वयन में दृढ़ निश्चय के साथ अग्रसर होना चाहती है।

यशदेव शल्य,
पी.- 51 मधुवन पश्चिम,
किसान मार्ग, जयपुर

Indian Institute of

गांधी जी की सबसे महत्वपूर्ण कृति "हिन्द स्वराज्य" युगान्तरीय विस्मृति में डूब गयी हैं। दोबारा चर्चा में लाने का यह प्रयत्न वाराह-प्रयास कहा जाना चाहिए। इसके लिए श्री कनक तिवारी एवं अन्य आयोजक बधाई के पात्र है।

श्री गोविन्द चंद्र पांडे

सम्वाद तो समृध्द रहा, सीखने को और सोचने को बहुत कुछ मिला। परंतु कार्य योजना उभारने में रूचि कम दिखी। बौध्दिकता जरूरी है, पर बिना कर्म के पंगु है। म.प्र. में हमें "हिन्द स्वराज्य" के लिए काम कैसे शुरु करना है। इस प्रश्न को हमें केन्द्र में लाना है।

डॉ. अनिल सद्गोपाल,
(शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)
ई- 13, कालिन्दी,
नई दिल्ली 110065

मैं महात्मा गांधी के 125 वें जन्मदिन पर समायोजित परिसंवाद में सम्मिलित होकर कृतार्थ हुआ। विचार मन्थन के साथ साथ ही गांधी चिंतन और कृतार्थ हुआ। विचार मन्थन के साथ साथ ही गांधी चिंतन और कर्तृत्व को जीवन्त और गतिमय बनाने के उपक्रम की दृढ़ प्रतिज्ञा के भी दर्शन हुए। सफलता की कामना करता हूँ।

रामाश्रय राय,
बी.एम, 36 शालीमार
बाग (पूर्वी), दिल्ली - 110052
साम्प्रतिक - 46 शैलश्री विहार (डुप्ले)
चंद्रशेखपुर, भुवनेश्वर- 751076

गांधी जी की 125 वीं जयंती समारोह के उपलक्ष में "हिन्द स्वराज्य" का दोहन करने का मौका लेकर म.प्र. की यह समिति ने मुझे आमंत्रित किया इसलिये समिति का बहुत आभारी हूँ। श्री कनक तिवारी जी ने बहुत आदरपूर्वक हम सबको यह चर्चा करने को प्रवृत्त किया यह भी महत्व का काम किया। यहां जो सोचा गया है वह सारे म.प्र. शासन की मार्गदर्शक बने यही प्रार्थना है।

ज्योतिभाई देसाई,
गांधी विद्यापीठ के सामने,
पेडछी, तहसील वालोड,
जि. सूरत- 394641

इतिहास का वैसे कोई अंतिम पृष्ठ नहीं होता लेकिन कई महापुरुष ऐसा विराम लगा देते हैं कि उनके पथ पर चलने के अलावा विकल्प नहीं होता, ऐसे महापुरुषों में महात्मा गांधी एक थे। 125 वें जन्म वर्ष समारोह समिति मध्यप्रदेश ने श्री कनक तिवारी के नेतृत्व में गांधी जी को पुनः स्थापित करने का स्तुत्य प्रयास किया और आगे किया जा रहा है। इस प्रयास में सबके सहयोग की आवश्यकता है ताकि मानवीय दृष्टि से समाज को दिशा मिलती रहे।

डॉ. वल्लभदास मेहता,
पूर्व आचार्य अर्थशास्त्र
भोपाल

...dian Institute
G-4864
18/04/03

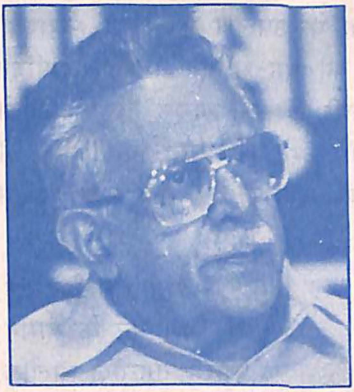

ये जो आपने काम किया, वो खूब किया। मैं आपकी तारीफ इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि इसमें मेरी तारीफ खुद-ब-खुद हो जाती है क्योंकि मैं आपका प्रेसीडेंट हूँ। ये भी एक तरीका होता है कि जब अपनी तारीफ करना हो तो अपने पास वाले की तारीफ करो लेकिन ये कोई जबानी जमा खर्च नहीं है कि मध्यप्रदेश में जितना काम हुआ है गांधी जी के एक सौ पच्चीसवें जन्मवर्ष पर, मेरे ख्याल में किसी और राज्य में नहीं हुआ है और ये काम अभी जारी रहेगा।

मोहम्मद शफी कुरैशी
महामहिम राज्यपाल, म. प्र.
29 जनवरी 1996
भावांजलि संध्या, राजभवन, भोपाल

आदरणीय कनक तिवारी जी ने वाकई जब से इस समिति की बागडोर अपने हाथ में ली है, इन्होंने वैचारिक क्रांति मध्यप्रदेश में पैदा की है और विशेषकर ऐसे समय में जबकि अनेक संस्थाएँ, अनेक विचारधाराएँ इस प्रदेश के लोगों को अपनी कुंठित और सीमित विचारधाराओं से गुमराह करने का प्रयास कर रही थीं।

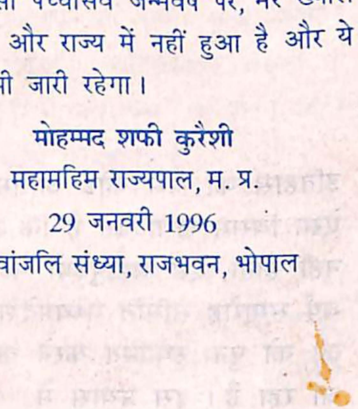

दिग्विजय सिंह
मुख्यमंत्री, म. प्र.
मेरे धर्म में सर्वधर्म समभाव : गांधी दृ
17 नवम्बर 1995 - गायत्री मन्दिर, भोप

Library IIAS, Shimla
H 891.43600 T543 C
G4864